संपर्क जांच क्यों और कैसे की जाती है?

किसी संक्रामक रोगी के आसपास के लोगों की जांच यह पुष्टि करने के लिए की जाती है कि वे संक्रमित हैं या बीमार हैं। यह क्षय रोग त्वचा परीक्षण, IGRA (रक्त परीक्षण) और/या फेफड़े के एक्स-रे के माध्यम से किया जाता है।

किसी बीमार व्यक्ति के आसपास रहने वाले लोगों की भी जांच की जाती है, ताकि बीमारी के स्रोत का पता लगाया जा सके। इस प्रकार, नर्स, बीमार व्यक्ति के साथ मिलकर उन लोगों की सूची बनाती है जिनके साथ उसने पिछले कुछ महीनों में अक्सर बातचीत की है: परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, मित्र, सहकर्मी, सहपाठी, किसी एसोसिएशन या अवकाश क्लब के सदस्य।

और अधिक जानने की इच्छा है?

अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

www.departementzorg.be पर जाएं या अपने प्रांत के देखभाल विभाग से संपर्क करें:

- Antwerp: 02 553 08 92
- Limburg: 02 553 08 93
- East Flanders: 02 553 08 94
- Flemish Brabant: 02 553 08 93
- West Flanders: 02 553 08 94

www.vrgt.be पर जाएं या अपने प्रांत में श्वसन स्वास्थ्य देखभाल और क्षय रोग नियंत्रण (VRGT) के लिए Flemish Association(फ्लेमिश एसोसिएशन) से संपर्क करें:

- Antwerp
  Berchem: 03 287 80 10 -
  Turnhout: 014 41 13 62
- Brussels: 02 411 94 76
- Limburg: 011 22 10 33 (Hasselt)
- East Flanders: 09 225 22 58 (Ghent)
- Flemish Brabant: 016 79 09 92 (Leuven)
- West Flanders
  Ostend: 059 79 02 58 - Kortrijk: 059 79 02 57

द्वारा प्रकाशित: Karine Moykens, महासचिव, देखभाल विभाग, ब्रुसेल्स साइमन बोलिवर 17, 1000 ब्रुसेल्स | सितंबर 2024

VRGT VLAAMSE VERENIGING VOOR RESPIRATOIRE GEZONDHEIDSZORG EN TUBERCULOSEBESTRIJDING VZW

देखभाल विभाग
infectieziektebestrijding@vlaanderen.be
www.departementzorg.be

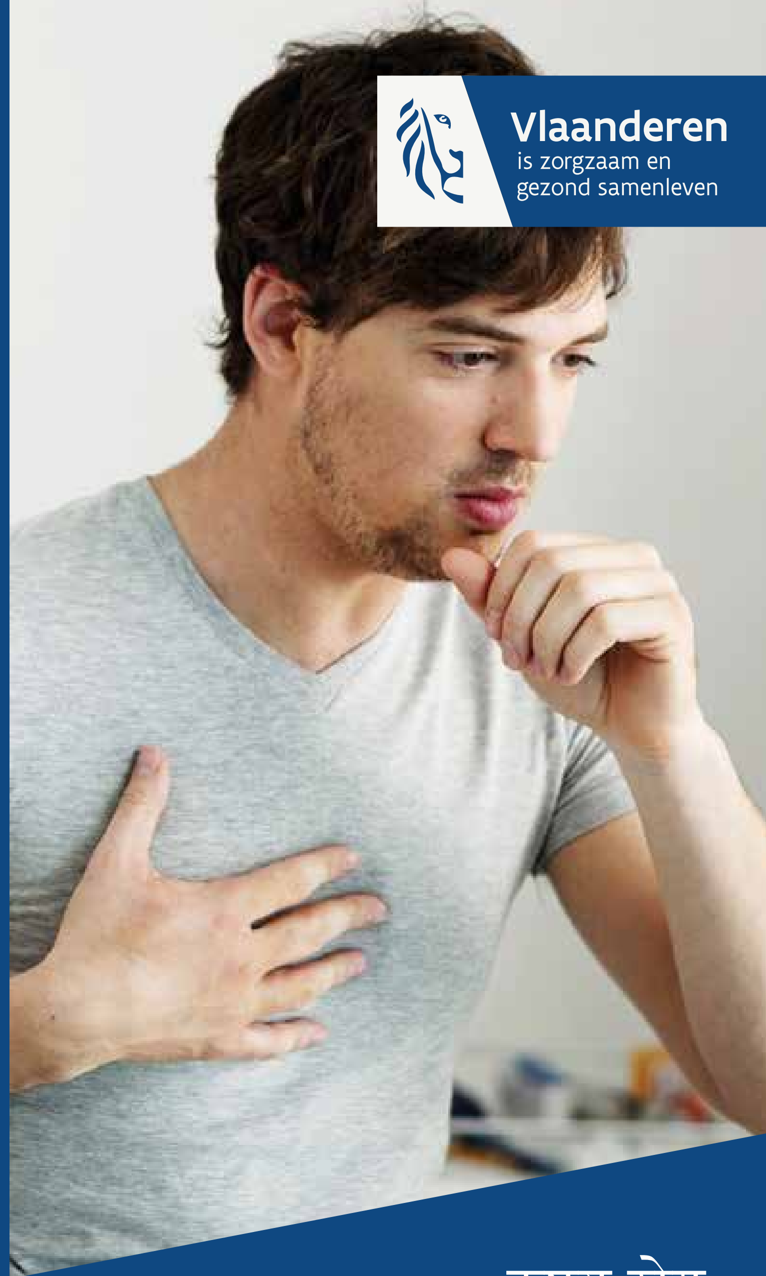

Vlaanderen
is zorgzaam en gezond samenleven

क्षय रोग

DEPARTEMENT
ZORG

departementzorg.be

क्षय रोग एक संक्रामक रोग है जो क्षय रोग जीवाणु के कारण होता है।

इस रोग का सबसे आम रूप फुफ्फुसीय क्षय रोग है। कभी-कभी गुर्दे, हड्डियां, मस्तिष्क, ग्रंथियां या अन्य अंग भी प्रभावित होते हैं।

आप कैसे संक्रमित होते हैं?

क्षय रोग लगभग विशेष रूप से हवा के माध्यम से फैलता है। संक्रामक फुफ्फुसीय क्षय रोग से पीड़ित व्यक्ति जब खांसता, बोलता या छींकता है तो उसके द्वारा क्षय रोग के जीवाणु हवा में फैल जाते हैं। बीमार व्यक्ति के आसपास के वातावरण में रहने वाले लोग सांस के माध्यम से बैक्टीरिया को अपने अंदर ले सकते हैं। जब सांस के माध्यम से बैक्टीरिया फेफड़ों में प्रवेश करते हैं, तो वे मामूली सूजन पैदा करते हैं। यह आमतौर पर अपने आप ठीक हो जाता है , लेकिन सूजन कभी-कभी फैल जाती है।

बैक्टीरिया अन्य अंगों (गुर्दे, हड्डियां, मस्तिष्क, ग्रंथियां, आदि) में भी प्रवेश कर सकते हैं रक्त या लसीका पथ के माध्यम से. क्षय रोग लगभग कभी भी वस्तुओं (खाने के बर्तन, कपड़े, किताबें, बिस्तर, आदि) के माध्यम से नहीं फैलता है।

क्षय रोग किसे हो सकता है?

किसी को भी क्षय रोग हो सकता है। छोटे बच्चे और कम प्रतिरक्षा वाले लोग अधिक संवेदनशील होते हैं।

क्या लक्षण हैं?

सक्रिय फुफ्फुसीय क्षय रोग के सबसे आम लक्षण हैं:

- लगातार खांसी, अक्सर कफ के साथ
- भूख कम लगना
- वजन घटाना
- छाती में दर्द
- (तेज) बुखार
- रात का पसीना
- थकान

ये लक्षण आवश्यक रूप से एक ही समय पर नहीं होते। यह भी संभव है कि आपमें कोई लक्षण न दिखाई दें, फिर भी आपको क्षय रोग हो।

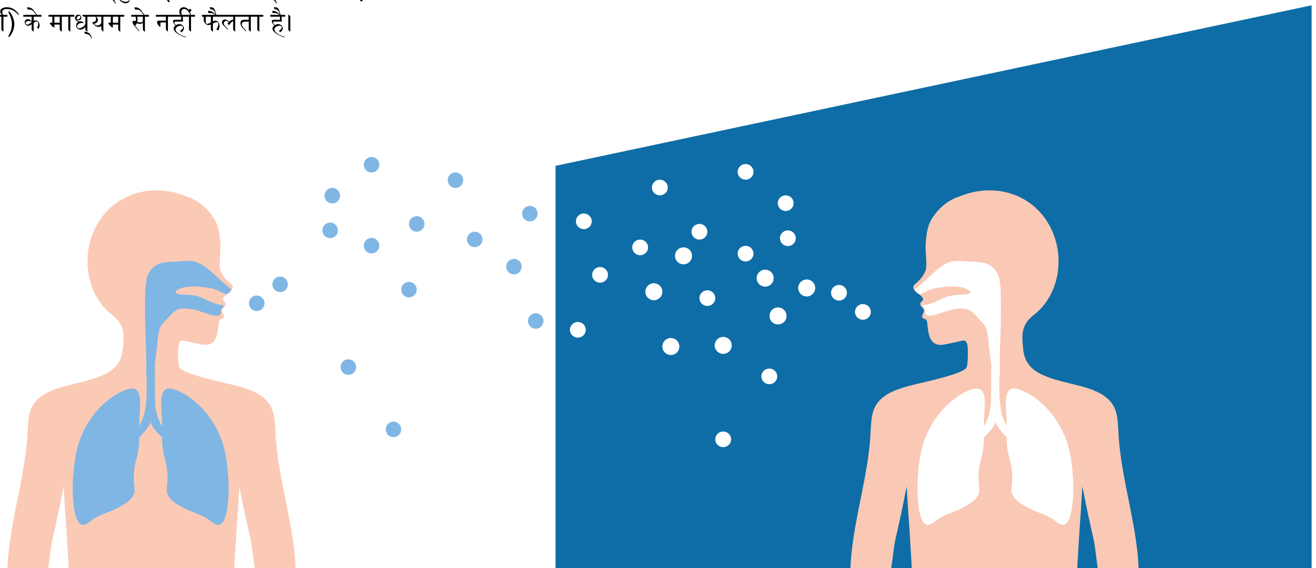

क्या क्षय रोग का उपचार संभव है?

आप क्षय रोग से पूरी तरह ठीक हो सकते हैं। उपचार में आमतौर पर तीन या चार दवाएं (एंटीबायोटिक्स) शामिल होती हैं।

आपको ये एंटीबायोटिक्स कम से कम छह महीने तक लेनी होंगी, क्योंकि क्षय रोग के बैक्टीरिया को नष्ट करना मुश्किल होता है। यदि आप निर्धारित उपचार का पालन नहीं करते हैं, तो आप दोबारा बीमार हो सकते हैं। यह भी संभावना है कि उपचार कम प्रभावी हो जाए, क्योंकि बैक्टीरिया अब सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते।

आप कब संक्रामक होते हैं?

यदि जांचे गए कफ में क्षय रोग बैक्टीरिया (संक्रामक फुफ्फुसीय क्षय रोग) पाया जाता है तो आप संक्रामक हैं।

यदि कफ में कोई क्षय रोग जीवाणु नहीं पाया जाता है, तो इसे गैर-संक्रामक फुफ्फुसीय क्षय रोग कहा जाता है। यदि क्षय रोग किसी अन्य अंग (फेफड़ों के बाहर) में है, तो आप संक्रामक नहीं हैं।

यदि आप कई सप्ताह तक निर्धारित उपचार का पालन करते हैं, तो खांसी कम हो जाती है और आप कम संक्रामक होते हैं। ध्यान रखें कि उस स्थिति तक आप पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। खांसते समय स्वच्छता का ध्यान रखने से दूसरों को संक्रमित होने की संभावना भी कम हो जाती है: दूसरों से दूर होकर मुंह के सामने हाथ रखकर टिशू पेपर में खांसें। फिर टिशू को कूड़ेदान में फेंक दें और अपने हाथों को पानी और तरल साबुन से धो लें।